नोएडा > रविवार, 22 सितंबर 2019 > भाद्रपद 31 शक संवत 1941 अश्विन कृष्ण अष्टमी विक्रम 2076 YOUNG INDIA > YOUNG PAPER पेज 26* > मूल्य 3.50 या 9.00 रुपये संडे टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in

NBT
संडे नवभारत टाइम्स

Noida Times
सोनाक्षी की क्यों हुई खिंचाई

ज्यादा खेलें, ज्यादा जीतें। हफ्ते में 5 और ज्यादा बार हिस्सा लेने वालों के लिए हर रविवार मौका होगा 5000 रुपये के कोम्बो वाउचर्स

lenskart लाए है HAPPYTIMES
डेली, साप्ताहिक और मासिक इनाम के लिए 2 सवालों का सही जवाब दें। रोजाना 1000 विनर्स जीतेंगे 500 रुपये के लेंसकार्ट वाउचर्स। निश्चित इनामों के लिए www.nbthappytimes.com पर अपने हैप्पी टाइम्स पॉइंट्स को 5X TIMESPOINTS में बदलें।
#KeepItLight बेहद हलके AIR चश्मे और बहुत कुछ, सिर्फ Lenskart पर
सारे जवाब इसी अंक में ढूंढें। प्रतियोगिता सुबह 7 AM से 11 AM तक खुलती है।

मार्केट के साथ बायर्स भी हैं तैयार

यकीनन सभी को फेस्टिव सीजन का इंतजार रहता है। इसलिए तो इस समय खरीदारी भी काफी होती है। ऐसे मौकों का फायदा जहां बायर्स उठते हैं, वहीं बिजनेस मैन भी नहीं चूकते।

ऐसा नहीं है कि आज बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियां ही अमूमन अपने सभी प्रॉडक्ट्स पर भारी छूट दे रही हैं। दिल्ली-एनसीआर के बिल्डर भी इससे नहीं चूक रहे हैं। वे भी अलग तरह के ऑफर्स से बायर्स को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। कोई फर्निश्ड फ्लैट देने की बात कर रहा है तो कोई मॉड्युलर किचन, तो कोई सोने का सिक्का।

जानकार कहते हैं कि गाजियाबाद और नोएडा अपनी विश्वस्तरीय सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के साथ भारत के सबसे आधुनिक शहरों में से एक है। उसमें भी राजनगर एक्सटेंशन तो हॉट केक बना हुआ है। यहां भी फ्लैट की खरीद पर कई तरह के ऑफर दिए जा रहे हैं। बायर्स चाहे तो इन ऑफर्स का फायदा उठा सकते हैं और पसंद का फ्लोर बुक करा सकते हैं।

ध्यान रखें ऑफर्स पर

आप जब भी ऑफर्स को देखकर घर बुक कराने जाएं तो कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। मसलन, कोई हिड्न टर्म एंड कंडिशन और चार्जेज वाली बात तो नहीं है क्योंकि जो भी सुविधाएं या ऑफर देने की बात हो वह ऑन पेपर होने चाहिएं।

रेडी-टु-मूव-इन सबसे बेहतर

वैसे बायर्स की अपनी जरूरत होती है कि उन्हें अपने घर में कब प्रवेश करना है। फिर भी जो तैयार घर होते हैं, अगर उसकी बुकिंग हो तो इससे बेहतर कुछ नहीं होता। बड़ी बात यह है कि इसमें बायर्स को घर में प्रवेश के लिए इंतजार नहीं करना पड़ता। वैसे भी नोएडा और गाजियाबाद में कम से कम दो दर्जन से भी ज्यादा ऐसे बिल्डर हैं जो रेडी-टु-मूव-इन पर भी ऑफर दे रहे हैं। ऐसे में जब ऑफर तैयार घर पर मिल रहे हों तो फिर अंडर-कंस्ट्रक्शन घर को क्यों चुनें कोई। यह भी एक सच है कि आजकल नए प्रोजेक्ट कम ही लॉन्च हो रहे हैं। ज्यादातर डिवेलपर पुराने प्रोजेक्ट को ही पूरा कर रहे हैं।

गौड़ सन्स के एमडी मनोज गौड़ कहते हैं, 'बीते दिनों में घर खरीददारों का अंडर-कंस्ट्रक्शन प्रॉपर्टीज के मुकाबले रेडी-टु-मूव-इन की ओर ज्यादा झुकाव दिखा है। प्रॉपर्टीज की अंतिम लागत की बात करें तो अंडर कंस्ट्रक्शन प्रॉपर्टीज और रेडी-टु-मूव-इन में ज्यादा अंतर नहीं देखने को मिलता।'

गौड़ सन्स के एमडी मनोज गौड़ कहते हैं, 'बीते दिनों में घर खरीददारों का अंडर-कंस्ट्रक्शन प्रॉपर्टीज के मुकाबले रेडी-टु-मूव-इन की ओर ज्यादा झुकाव दिखा है। प्रॉपर्टीज की अंतिम लागत की बात करें तो अंडर कंस्ट्रक्शन प्रॉपर्टीज और रेडी-टु-मूव-इन में ज्यादा अंतर नहीं देखने को मिलता।'